JANNAYAK
02 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

'एजूकेट गर्ल्स' ने मनाया स्थापना दिवस

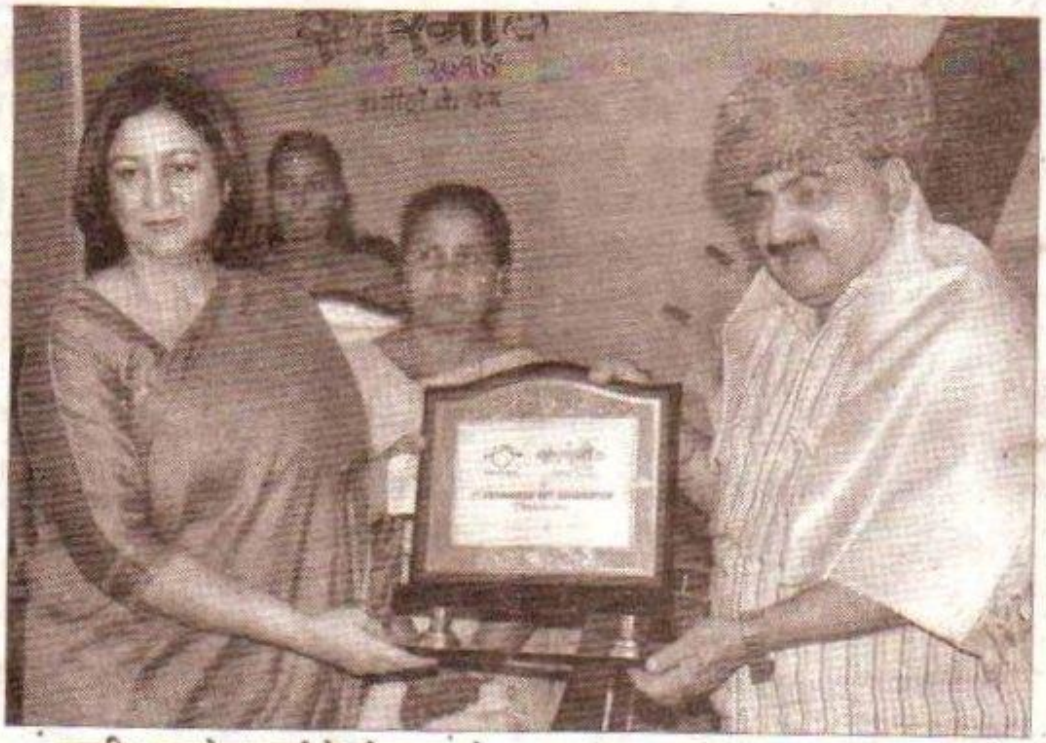

बून्दी। एजूकेट गर्ल्स ने सोमवार को अपने स्थापना दिवस की सातवीं वर्षगांठ मनाई। अल्गोजा रिसॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अशोक डोगरा थे।

एजूकेट गर्ल्स बूंदी की ऐसी संस्था है जो अबतक 6,700 लड़कियों को फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफल रही। इसके अतिरिक्त 42 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन कराया। इस अवसर पर एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक एवं कार्यकारी निर्देशिका सफीना हुसैन ने कहा कि इस संस्था ने वर्ष 2007 में 50 स्कूलों के इसका सफर शुरू हुबआ और आज हम पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिले के 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। संस्था के प्रयासों से 70,000 से अधिक लड़कियां फिर से स्कूलों में पहुंची।

DAINIK ANGAD
02 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

'एजूकेट गर्ल्स' ने मनाई वर्षगांठ

भव्य कार्यक्रम आयोजित

बूंदी, 2 दिसंबर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने सोमवार को बूंदी में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के अल्गोजा रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। माननीय अशोक डोगरा (विधायक-बून्दी) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजूकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 850 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों

ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजूकेट गर्ल्स द्वारा बूंदी में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 6,700 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 42 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेर्शिका, एजूकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, '' हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं।

एजूकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

NAGAR PRABHA
02 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

'एजूकेट गर्ल्स' ने 850 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

बूंदी, (नगर प्रभा टीम)। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की षिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बूंदी शहर के अल्गोजा रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। अशोक डोगरा, विधायक-बून्दी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजूकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 850 से अधिक सदस्य षामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजूकेट गर्ल्स द्वारा बूंदी में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 6,700 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 42 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशिका, एजूकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, " हमने 2007 में सिर्फ50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुईं। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।

एजूकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

MORNING NEWS
02 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

'एजूकेट गर्ल्स' ने, 7वां स्थापना दिवस मनाया

बून्दी। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन ने सोमवार को बूंदी शहर के अल्गोजा रिसॉर्ट में 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अशोक डोगरा थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजूकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 850 से अधिक सदस्य शामिल थे। मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजूकेट गर्ल्स द्वारा बूंदी में कार्य शुरू किए जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सामुदायिक स्वयंसेवक सदस्यों ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 6,700 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 42 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था। सफीना हुसैन, निर्देशिका, एजूकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं।

MARUDHAR BHUMI
03 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

'एजूकेट गर्ल्स' ने 850 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

बुंदी-नितिन गौतम

एजुकेट बालिका संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती बालिकाऐं एव बुंदी विधायक अशोक डोगरा को स्मृति चिन्ह देते हुए संस्था अध्यक्ष शफिना हुसैन।

भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ)एजूकेट गर्ल्स, ने आज 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए अलगोजा रिसॉर्ट में भव्य कार्यक्रम का आयोजन बुंदी विधायक अशोक डोगरा के मुख्य आतिथ्य में किया। कार्यक्रम में सम्मानित अधिकारीगण, एजूकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 850 से अधिक सदस्यों समेत एक हजार जने शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजूकेट गर्ल्स द्वारा बूंदी में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 6,700 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 42 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशिका, एजूकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, '' हमने 2007 में सिर्फ50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफके साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुईं। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।''

एजूकेट गर्ल्स का उद्देय सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

\

DAINIK BHASKAR
02 December 2014
BUNDI

बूंदी। एजुकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं किशोरियां।

बेटियों को करें प्रोत्साहित: डोगरा

एजुकेट गर्ल्स संस्था ने सातवां स्थापना दिवस मनाया

भास्कर न्यूज | बूंदी

बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए जिले में काम कर रही एजुकेट गर्ल्स संस्था का सोमवार को सातवां स्थापना दिवस मनाया।

मुख्य अतिथि विधायक अशोक डोगरा ने कहा कि लोग अपने बेटों के साथ-साथ बेटियों को भी पढ़ाएं। बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़कर परिवार और देश का नाम रोशन कर रही हैं। जरूरत है तो केवल उन्हें प्रोत्साहित करने की है। उन्होंने जिले में संस्था द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। संस्थापक और कार्यकारी निदेशिका सफीना हुसैन ने कहा कि संस्था ने 2007 में 50 स्कूलों से अपना सफर शुरू किया था और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी जिले में 7500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। संस्था की टीम बालिका ने फील्ड स्टाफ के प्रयासों से स्कूल छोड़ चुकी करीब बालिकाएं फिर से स्कूल जाने

बूंदी। विधायक अशोक डोगरा को स्मृति चिन्ह देतीं संस्थापक सफीना हुसैन।

RAJASTHAN PATRIKA
02 December 2014
BUNDI

rajasthanpatrika.com बूंदी पत्रिका patrika.com/bundi

बालिकाओं ने दी प्रस्तुतियां

बूंदी. शहर के नैनवां रोड स्थित रिसोर्ट में सोमवार को एजुकेट गर्ल्स का 7वां स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि बूंदी विधायक अशोक डोगरा थे। समारोह में टीम बालिका के सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। संस्था की ओर से बूंदी जिले में किए गए 6 माह के कार्य के दौरान टीम बालिका के सदस्यों ने स्कूल छोड़ चुकी 6 ,700 बालिकाओं को फिर से स्कूल से जोड़ा। 42 छात्राओं का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन कराया। संस्थापक एवं कार्यकारी निर्देशिका सफीना हुसैन ने संस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

JABANZ PATRIKA
02 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

● 'एजूकेट गर्ल्स' ने, 7वां स्थापना दिवस मनाया

बून्दी। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने सोमवार को बूंदी शहर के अल्गोजा रिसॉर्ट में 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अशोक डोगरा थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजूकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 850 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षो एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।एजूकेट गर्ल्स द्वारा बूंदी में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों कैं भीतर टीम बालिका के इन सामुदायिक स्वयंसेवक सदस्यों ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 6,700 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 42 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन

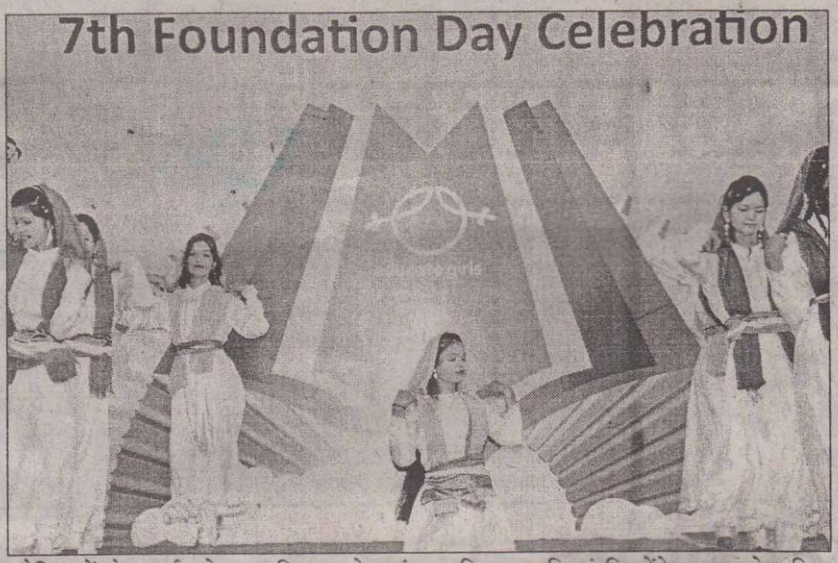

चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निर्देशिका

एजूकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, '' हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफके साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुई। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।''एजूकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है।

ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

DAINIK NAVJYOTI
02 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन कार्यक्रम आयोजित

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बून्दी।

एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने सोमवार को बूंदी में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम शहर के अलगोजा रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अशोक डोगरा थे। कार्यक्रम में सम्मानित अधिकारीगण, एजूकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 850 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम

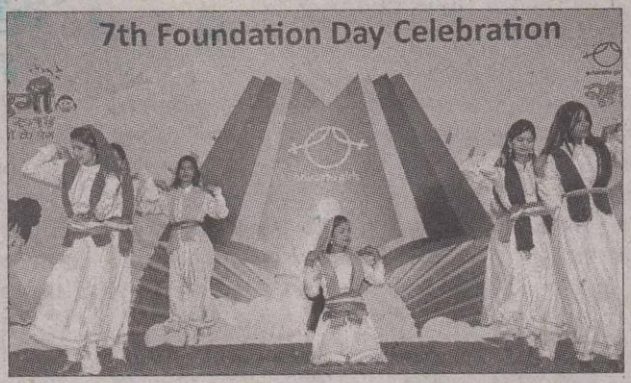

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बच्चे। छायाः कुलदीप व्यास

बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

संस्थापक एवं कार्यकारी निदेर्शिका, एजूकेट गर्ल्स सफीना हुसैन ने कार्यक्रम अपने सम्बोधन में कहा कि हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं।

सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टॉफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। एजूकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी ब चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों।

RAJASTHAN BREAKING NEWS
06 December 2014
BUNDI

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

'एजूकेट गर्ल्स' ने 850 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

माननीय अशोक डोगरा (विधायक-बून्दी) इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे

बूंदी, 06 दिसम्बर।
(आर.बी. न्यूज ब्यूरो)

एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने बीते सोमवार को बूंदी में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के अलोला रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। माननीय अशोक डोगरा (विधायक-बून्दी) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजूकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 850 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजूकेट गर्ल्स द्वारा बूंदी में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 6,700 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 42 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशिका, एजूकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, "हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिले में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुईं। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।"

एजूकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

DAINIK BHASKAR
03 December 2014
RAJSAMAND

दैनिक भास्कर 2

उदयपुर . बुधवार 3 दिसंबर, 2014

युवाओं ने किया वंचित बालिकाओं को स्कूलों से जोड़ने पर मंथन

कलेक्टर, एसपी बोले- जागरूकता जरूरी

एजुकेट गर्ल्स संस्था का सातवां स्थापना दिवस मनाया

राजसमंद.स्कूल छोड़ चुकी बालिकाओं को स्कूलों से जोड़ने पर काम करने वाली एजुकेट गर्ल्स संस्था का सातवां स्थापना दिवस मनाया गया। इसमें कलेक्टर कैलाश चंद वर्मा ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि पिछड़ेपन का मुख्य कारण लिंग असमानता व बालिका अशिक्षा है। बालिकाओं को शिक्षा के साथ ही आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता है। एसपी श्वेता धनखड़ ने बालिका को शिक्षा से जुडवे की आवश्यकता बताई।

एक हजार युवक-युवतियां हुईं शामिल

संस्थापक व कार्यकारी निर्देशिका एजुकेट गर्ल्स सफीना हुसैन ने बताया कि 2007 में सिर्फ 50 स्कूल शुरू किए थे। पांच जिलों में साढ़े सात हजार स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। अब तक सतर हजार से अधिक लड़कियों को संस्थान के माध्यम से स्कूल से जोडवे का प्रयास किया है। कार्यक्रम में बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का काम करने वाले करीब एक हजार युवक-युवतियों ने भाग लिया।

DAINIK NAV JYOTI
03 December 2014
RAJSAMAND

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया 7 वां स्थापना दिवस

राजसमंद। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज राजसमन्द में अपने 7वें स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर कैलाश चन्द वर्मा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि श्वेता धनकड पुलिस अधीक्षक एवं युगल बिहारी दाधीच (जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान) थे। कार्यक्रम में सैकड़ो लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिर्सोस पर्सन, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में

राजसमंद। दीप प्रज्वलीत कर समारोह का शुभारंभ करते अतिथि।

कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था। हुसैन संस्थापक एवं कार्यकारी निदेर्शिका सफीना ने संबोधित करते हुये कहा हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था। जो आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुईं। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।

एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों।

JAGROOK TIMES
03 December 2014
RAJSAMAND

स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

राजसमंद। एजुकेट गर्ल्स भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन एनजीओ ने आज राजसमन्द में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। जिला पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड, युगल बिहारी दाधीच जिला कार्यक्रम समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिर्सोस पर्सन, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने सामुदायिक स्वयंसेवक ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय केजीबीवी में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था। संस्थापक एवं कार्यकारी निदेर्शिका एजुकेट गर्ल्स सफीना हुसैन ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, " हमने 2007 में सिर्फ50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुई। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये।

भारत केसरी दंगल 10 जनवरी से

राजसमंद। विराट भारत केसरी हिन्द केसरी कुश्ती दंगल 10 जनवरी से महावीर मण्डल के तत्वावधान में आयोजित बडे लाला सनाढय, रविन्द्र गुर्जर अप्पु नाथद्वारा एवं तिलक सिंह चौधरी कांकरोली की स्मृति में विराट भारत केसरी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। मंडल अध्यक्ष कमल जैन ने बताया कि इस कुश्ती दंगल में राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त लगभग 500 पहलवान इस कुश्ती दंगल में भाग लेगें। कांकरोली में सभी होटलों व धर्मशालाओं को ठहरने के लिए बुक कर लिया है। प्रचार-प्रसार हेतु होलडिंग, बैनर आसपास के सभी शहरों तक भिजवाए जा रहे है। कुश्ती बालकृष्ण स्टेडियम पर आयोजित होगी। पहलवान मुरलीधर जाट ने बताया कि अखाडे की तैयारी हेतु कमेटी बन चुकी है। अखाडे का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। इस दंगल का उद्देश्य देश के उभरते हुए पहलवानो को सुअवसर प्रदान करना है।

KHABAR SAMRAT
03 December 2014
RAJSAMAND

'एजुकेट गर्ल्स' के स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते जिला कलक्टर वर्मा एवं संस्थान की संस्थापिका सफीना हुसैन।

राजसमन्द, 2 दिसम्बर। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज राजसमन्द में अपने स्थापना दिवस को वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्रीमति श्वेता धनखड पुलिस अधीक्षक एवं युगल बिहारी दाधीच जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र जोशी, गोवर्द्धनलाल, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिसोंस पर्सन पृथ्वीसिंह झाला, मुबारिक हुसैन, नारायण सिंह, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के छह महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10 हजार 870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशिका, एजुकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुईं। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।

एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

लिंग भेद बन रही है बाधा

समूचे भारत में लिंग भेद अभी भी शिक्षा में महत्वपूर्ण बाधा बना हुआ है। इसका परिणाम यह है कि देश की 30 लाख से अधिक लड़कियां स्कूल नहीं जा पाती।

एजुकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो समग्रतापूर्वक भारत के शिक्षा तंत्र में लिंग असमानता के प्रमुख कारण के मुद्दों से निपटता है। संगठन की स्थापना 2007 में की गई। एजुकेट गर्ल्स लड़कियों के स्कूल में नामांकन, उनके स्कूल में बने रहने और अध्यापन पर ध्यान केन्द्रित करता है। हमारा लक्ष्य सभी सुविधा से वंचित एवं अधिकारहीन लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। शिक्षा एवं स्कूल गुणवत्ता तक पहुंच में सुधार करने के लिए हम सार्वजनिक, निजी और सामुदायिक संसाधनों का लाभ उठाते हैं और उन्हें गतिशील बनाते हैं। एजुकेट गर्ल्स द्वारा भारी संख्या में लाभार्थियों को उगेखनीय परिणाम प्रदान किये गये हैं।

सफीना हुसैन ने बताया कि एजुकेट गर्ल्स का प्रबंधन एवं आउटरीच कार्यालय मुंबई में है। यह राजस्थान के 6 महत्वपूर्ण लिंग असमानता वाले जिलों पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिले में परिचालन करता है। एजुकेट गर्ल्स द्वारा 4 हजार 500 गांवों में 7 हजार 500 से अधिक स्कूलों में अपने प्रोग्राम क्रियान्वित किये गये हैं। विगत 7 वर्षों में, हमने 70 हजार लड़कियों का नामांकन कराया और शिक्षा के बुनियादी ढांचे में सुधार से 10 लाख 50 हजार से अधिक बच्चे लाभान्वित हुये हैं। कार्यक्रम का संयोजन मोनिका टांक ने किया। आभार विकास पालीवाल ने व्यक्त किया।

PRATAH KAAL
03 December 2014
RAJSAMAND

'एजुकेट गर्ल्स' के स्थापना दिवस पर रंगारंग प्रस्तुति

राजसमंद। एज्युकेट गर्ल्स संस्थान के सातवें स्थापना दिवस पर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते जिला कलक्टर केसी वर्मा एवं संस्थान की संस्थापिका सफीना हुसैन। फोटो : मुबारिक शुक्रिया

राजसमन्द। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज राजसमन्द में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्रीमति श्वेता धनखड पुलिस अधीक्षक एवं युगल बिहारी दाधीच जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान विशिष्ट अतिथि थे।

कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र जोशी, गोवर्द्धनलाल, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिर्सोस पर्सन पृथ्वीसिंह झाला, मुबारिक हुसैन, नारायण सिंह, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के छह महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10 हजार 870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

PUNJAB KESHRI
03 December 2014
RAJSAMAND

एनजीओ ने स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

राजसमंद, (अजीत उपाध्याय): एजुकेट गर्ल्स भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन एनजीओ ने मंगलवार को राजसमन्द में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका कांकरोली में,आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। जिला पुलिा अधीक्षक श्वेता धनकड़, युगल बिहारी दाधीच जिलो कार्यक्रम समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिर्सोस पर्सन, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे।

टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा कीं। एजुकेट गर्ल्स ने राजसमन्द में शुरू किए जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने सामुदायिक स्वयंसेवक ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय केजीबीवी में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था। संस्थापक एवं कार्यकारी निदेर्शिका एजुकेट गर्ल्स सफीना हुसैन ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, ' हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं।

मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफके साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुईं। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिए। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जाएंगे। एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है। ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ता व संबोधित करते अतिथि। (छायाः पंजाब केसरी)

RAJASTHAN PATRIKA
03 December 2014
RAJSAMAND

'बेटी निराशा में आस है...'

राजसमंद के विट्ठलविलास बाग में एजुकेट गर्ल्स के सम्मेलन में उपस्थित स्वयंसेवक व कार्यकर्ता। पत्रिका

एजुकेट गर्ल्स का वार्षिक सम्मेलन

राजसमंद

udaipur@patrika.com

कलक्टर कैलाशचंद्र वर्मा ने कहा कि आधुनिक समाज में लड़का- लड़की में भेदभाव की जो परंपरा बरकरार है, वह किसी कलंक से कम नहीं है। बेटे की अपेक्षा बेटी हर दृष्टि व हर कार्य में अव्वल ही रहती है। सहनशीलता तो अपार। पढ़ने में होशियार। आत्मविश्वास के साथ सीखने का जज्बा उससे भी ज्यादा। समाज का समग्र उत्थान न होने की मुख्य वजह भी बेटा- बेटी में फर्क व शिक्षा का अभाव है। अब समाज को पूर्ण शिक्षित करने की जरूरत है, जो सामूहिक प्रयास बिना संभव नहीं।

वर्मा श्री द्वारकेश वाटिका में मंगलवार दोपहर एजुकेट गर्ल्स के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा सत्रारंभ में तो विद्यालयों में शत प्रतिशत प्रवेश के लगभग लक्ष्य पूरे हो जाते हैं, मगर सत्र पर्यंत्र उनका ठहराव नहीं रहता। ऐसे ड्रॉप आउट बच्चों और विशेषकर बालिका को विद्यालय में नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना किसी पुण्य से कम नहीं है। पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड़ ने कहा कि मैं किसी घर की बेटी हूं, बहू हूं और अब मां बन गई, जो मुझे गर्व है। समाज में रहने और जीने का समान अधिकार है, तो बेटी क्यों पीछे रहे। धनखड़ ने 'बेटी हर घर की आत्मा है..... बेटी निराशा की आस है...' कविता पढ़ी, तो पांडाल ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कार्यवाहक डीईओ युगलबिहारी दाधीच, एजुकेट गर्ल्स जिला समन्वयक विकास पालीवाल सहित बड़ी तादाद में लोग मौजूद थे।

10870 बालिका का फिर दाखिला

एजुकेट गर्ल्स संस्थापक सफीना हुसैन ने संस्था का परिचय देते हुए बताया कि राजसमंद में बालिका टीम से 900 सदस्य जुड़े, जो घर घर जाकर ड्रॉप आउट छात्राओं को पुनः दाखिला दिलवा रहे हैं। छह माह में 10 हजार 8 70 बालिकाओं को पुनः प्रवेश दिया और 70 छात्राओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन कराया गया। सफीना ने बताया कि राजसमंद के अलावा पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर व बूंदी जिले में साढ़े सात हजार विद्यालय कवर हो चुके हैं।

स्वयंसेवकों का सम्मान

ड्रॉप आउट बालिका को पुनः स्कूल में दाखिला दिलाने में बेहतर कार्य करने वाले स्वयंसेवकों का सम्मान किया गया। कुछ स्वयंसेवकों ने खुद के पढ़ाई बरकरार रखने व अन्य छात्राओं को नियमित शिक्षण के लिए प्रेरित करने में आई परेशानी की प्रेरक कहानियां भी बताई।

RASTRA DOOT
03 December 2014
RAJSAMAND

'एजुकेट गर्ल्स' के स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

राजसमन्द, (निसं)। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लडकियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन ने आज राजसमन्द में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलैक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्वेता धनखड़ पुलिस अधीक्षक एवं युगल बिहारी दाधीच जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र जोशी, गोवर्द्धनलाल, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिसोर्स पर्सन पृथ्वीसिंह झाला, मुबारिक हुसैन, नारायण सिंह, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे।

टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के छह महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10 हजार 870 लडकियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लडकियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लडकियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लडकियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है, ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ सकें, जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हो। हमने वर्ष 2018 तक भारत के सुविधा से वंचित समुदायों में रह रहे लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

लिंग भेद बन रही है बाधा : समूचे भारत में लिंग भेद अभी भी शिक्षा में महत्वपूर्ण बाधा बना हुआ है। इसका परिणाम यह है कि देश की 30 लाख से अधिक लडकियां स्कूल नहीं जा पाती। एजुकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो समग्रतापूर्वक भारत के शिक्षा तंत्र में लिंग असमानता के प्रमुख कारण के मुद्दों से निपटता है।

संगठन की स्थापना 2007 में की गई। एजुकेट गर्ल्स लडकियों के स्कूल में नामांकन, उनके स्कूल में बने रहने और अध्यापन पर ध्यान केन्द्रित करता है। हमारा लक्ष्य सभी सुविधा से वंचित एवं अधिकारहीन लडकियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। शिक्षा एवं स्कूल गुणवत्ता तक पहुंच में सुधार करने के लिए हम सार्वजनिक, निजी और सामुदायिक संसाधनों का लाभ उठाते हैं और उन्हें गतिशील बनाते हैं। एजुकेट गर्ल्स द्वारा भारी संख्या में लाभार्थियों को उल्लेखनीय परिणाम प्रदान किये गये हैं।

कार्यक्रम का संयोजन मोनिका टांक ने किया। आभार विकास पालीवाल ने व्यक्त किया।

RASTRIYA SWAROOP
03 December 2014
RAJSAMAND

एजुकेट गर्ल्स ने 10870 लड़कियों को फिर से स्कूल भेजा

राजस्थान (एजेंसी)। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज राजसमन्द में अपने 7 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्रीमति श्वेता धनकड़ (पुलिस अधीक्षक) एवं युगल बिहारी दाधीच (जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान) विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिर्सोस पर्सन, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

SPAST AWAZ
03 December 2014
RAJSAMAND

संक्षिप्त समाचार

'एजुकेट गर्ल्स' ने 10870 लड़कियों को फिर से स्कूल भेजा

राजसमन्द-राजस्थान। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज राजसमन्द में अपने 7 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्रीमति श्वेता धनकड़ (पुलिस अधीक्षक) एवं युगल बिहारी दाधीच (जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान) विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिर्सोस पर्सन, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त , 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

DAINIK NAVJYOTI
04 December 2014
BALI

बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी: गुप्ता

नवज्योति/बाली।

जिला कलक्टर रोहित गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में बालिकाओं का शिक्षित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक बालिका के शिक्षित होने से उसका घर परिवार ही नहीं गांव एवं देश का नाम रोशन होता है। गुप्ता बुधवार को बाली स्थित गणगौर मैदान में आयोजित शिक्षित लड़की भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों के सातवें स्थापना दिवस की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह के समक्ष यह बात कह रहे थे। इस अवसर पर गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार से लगाकर एन जी ओ बालिका शिक्षा की और जो पहल कर रहे हैं वो आज की आवश्यकता हैं । बाली में आयोजित इस कार्यक्रम में एन जी ओ कर्मचारी और बोर्ड सदस्य भामाशाह तथा टीम बालिका के करीबन 1700 से अधिक सदस्य सामिल थे। टीम के सदस्य ने बताया कि एजुकेट गर्ल्स नामक यह संस्था पिछले सात वर्षों से कार्यरत है। बताया कि इन सात वर्षों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं ने सर्वशिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है। कार्यक्रम में संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक सफीना हुसैन ने कहा कि हमने 2007 से सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बुंदी जिलो में 7500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं।

HUKAMNAMA SAMACHAR
04 December 2014
BALI

बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी : गुप्ता

जोधपुर, 3 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज संभाग के बाली में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय श्री रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का शिक्षित करना जरूरी है। बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए उन्होंने एजूकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक

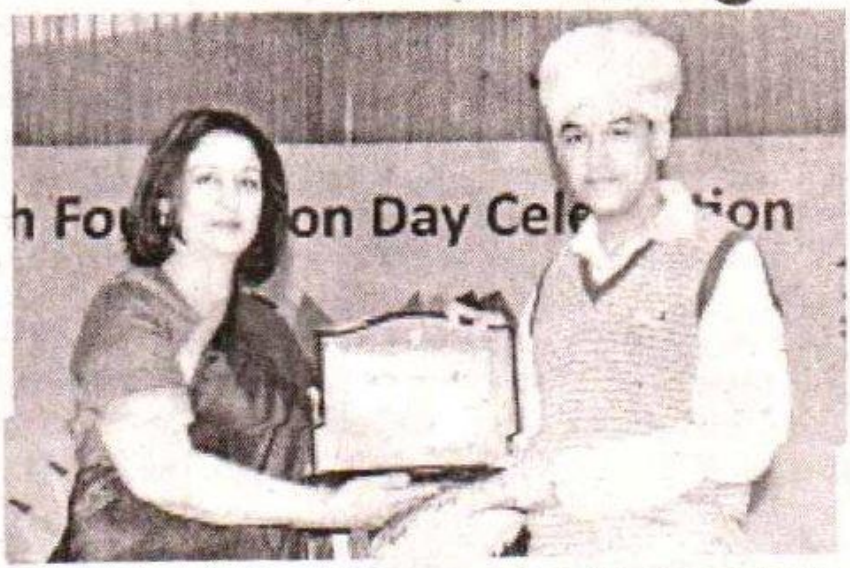

सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी । आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूदी, राजसमंद शामिल है । इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है । एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के प्राथमिक सुविधाओं से वंचित ए लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

JANGAN
04 December 2014
BALI

बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी - गुप्ता

'एजुकेट गर्ल्स' के 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई 1700 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ पाली जिला कलक्टर रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे

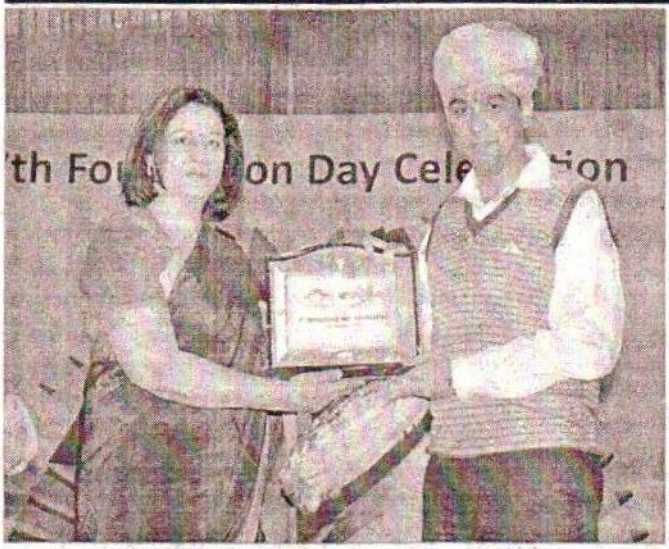

'एजुकेट गर्ल्स' के 7वें स्थापना दिवस पर सफीना हुसैन को प्रमाण पत्र देते जिला कलेक्टर रोहित गुप्ता।

बाली, 3 दिसंबर । एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासन निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज बाली (पाली) में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का शिक्षित करना जरूरी है। बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए उन्होंने एजुकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूआत पाली जिले से की थी। आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूदी, राजसमंद शामिल है। इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है। एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के प्राथमिक सुविधाओं से वंचित, लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेषिक, एजुकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, '' हमने 2007 में सिर्फ50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुई। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।''

MARU LEHAR
04 December 2014
BALI

बालिकाओं को शिक्षित करना जरुरी : गुप्ता

जोधपुर,3 दिसंबर । एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज संभाग के बाली में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय श्री रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का षिक्षित करना जरूरी है। बालिका षिक्षा को बढावा देने के लिए उन्होंने एजूकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका

के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी । आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूदी, राजसमंद शामिल है ।

इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है । एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के प्राथमिक सुविधाओं से वंचित ए लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

MARUNAAD
04 December 2014
BALI

बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी : गुप्ता

(मरूनाद न्यूज)
पाली 03 दिसम्बर।

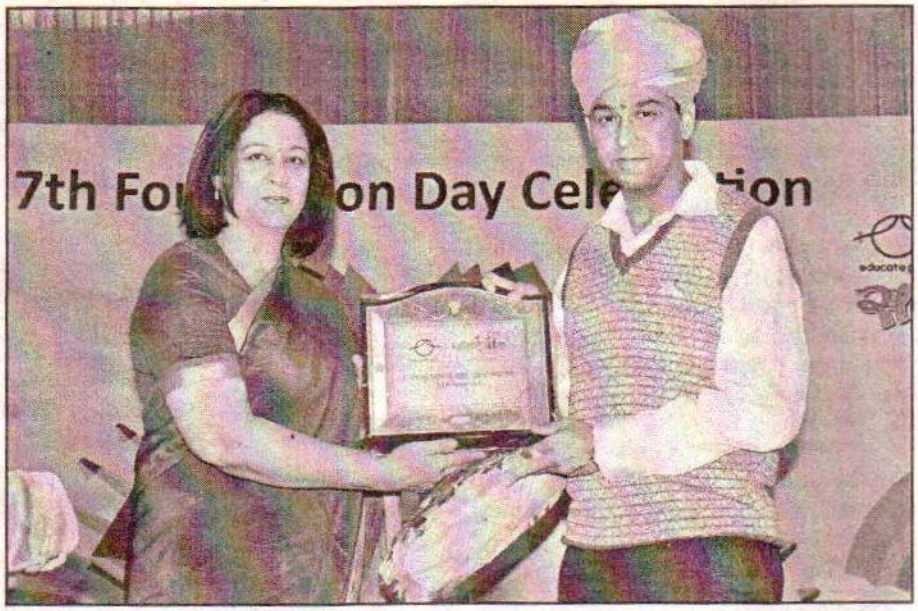

एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज बाली (पाली) में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय श्री रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का षिक्षित करना जरूरी है।

बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए उन्होंने एजूकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को टू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी । आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूदी, राजसमंद है।

इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है । एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के प्राथमिक सुविधाओं से वंचित ए लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेषिक, एजुकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, " हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुई। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिए। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जाएंगे।"

NAGAR PRABHA
04 December 2014
BALI

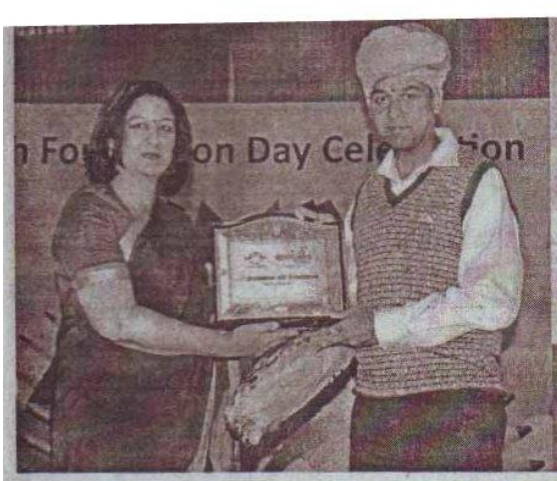

बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी : गुप्ता

'एजुकेट गर्ल्स' ने 1700 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

जोधपुर,(नगर प्रभा टीम)। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज संभाग के बाली में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय श्री रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का षिक्षित करना जरूरी है। बालिका षिक्षा को बढावा देने के लिए उन्होंने एजूकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी । आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूदी, राजसमंद शामिल है ।

इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है । एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के प्राथमिक सुविधाओं से वंचित ए लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेषिक, एजुकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, " हमने 2007 में सिर्फ50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफके साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुई। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।

RAJASTHAN PATRIKA
04 December 2014
BALI

बालिका शिक्षा से होगा विकास

गणगौर मैदान में एज्यूकेट गर्ल्स स्थापना दिवस समारोह आयोजित

बाली में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग। पत्रिका

बाली निस. जिला कलक्टर रोहित गुप्ता ने कहा कि एज्यूकेट गर्ल्स के माध्यम से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। बालिका शिक्षा के लिए लोगों को प्रेरणा मिल रही है। वे बुधवार, को गणगौर मैदान में आयोजित एज्यूकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने महिलाओं व बालिकाओं में शिक्षा के प्रति जागृति आने से ही विकास होगा। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा में श्रेष्ठ कार्य करने वालों का मुल्यांकन कर जिला स्तर पर 26 जनवरी व 15 अगस्त पर सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना पूनित कार्य है।

उन्होंने निर्मल ग्राम योजना के तहत आदर्श ग्राम पंचायत बनाने का आह्वान किया। जिला शिक्षा अधिकारी नूतनबाला कपिला ने कहा कि संस्था बालिकाओं को विद्यालय से जोड़ने व बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कार्य कर रही है।

संस्था की कार्यकारी निदेशिका सफीना हुसैन ने कहा कि संस्थान ने 70 हजार बालिकाओं को स्कूल से जोड़ा है। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान एसडीएम सुरेशकुमार खटीक, तहसीलदार विरेन्द्रसिंह भाटी, सीडीपीओ चक्रवर्तीसिंह, परबतसिंह राठौड़ उपस्थित थे।

TARUN RAJASTHAN
04 December 2014
BALI

एजुकेट गर्ल्स ने वर्षगांठ मनाई

जोधपुर। एजुकेट गर्ल्स ने आज संभाग के बाली में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय श्री रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का शिक्षित करना जरूरी है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने एजुकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य शामिल थे।

टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा कीं। एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी। आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूंदी, राजसमंद आदि है।

JAGRUKA TIMES
04 December 2014
BALI

विकास के लिए बालिका शिक्षा जरूरी: जिला कलेक्टर

एजुकेट गर्ल्स के सातवें स्थापना दिवस की वर्षगांठ कार्यक्रम में सैकड़ों बालिकाओं ने लिया भाग कार्यक्रम में पाली,जालोर,सिरोही केसैकड़ों टीम बालिका,भामाशाह,अधिकारियों सहित कार्मिकों को किया सम्मानित

बाली। पाली जिला कलेक्टर रोहित गुप्ता ने कहा कि गांव एवं ग्रामीणों सहित देश के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा की अहम् भूमिका है शिक्षा के माध्यम से ही एक परिवार,समाज एवं राष्ट्र का ढांचा बदला जा सकता है। वही शिक्षा में भी अगर बालिका शिक्षा की तरफ ध्यान दिया जाये तो विकास की कड़ी में चार चांद लग सकते है क्योंकि एक पढी लिखी बालिका अपने घर का ही नही वरन् दो घरो को शिक्षा से जोडती है जिससे दूगनी शिक्षा के क्षेत्र मे प्रगति होती है। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने शिक्षा में मात्रात्मक के साथ ही साथ गुणात्मक परिवर्तन पर भी विशेष बल दिये जाने का आव्हान किया गया। जिला कलेक्टर बुधवार को स्थानीय नगर में एजुकेट गर्ल्स के सातवें स्थापना दिवस के उपलक्ष में नगर में स्थित गणगौर के विशाल मैदान में आयोजित विशाल कार्यक्रम में पाली,जालोर, सिरोही से आये सैकड़ों टीम बालिकाओ सहित अधिकारीयों एवं कार्मिको सहित संस्था के पदाधिकारीयों को सम्बोन्धित करते हुये उनके समक्ष कह रहे थे। जिला कलक्टर ने इस अवसर पर सभी को बालकों की शिक्षा के साथ ही साथ बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आव्हान किया गया तथा कोई भी बालिका शिक्षा से वंचित नही रहे इसके लिए सभी को एकजूठ होकर टीम के साथ मे कार्य करने का आव्हान किया गया। साथ ही गांव के विकास के लिए शिक्षा के साथ ही साथ स्व%छता अभियान में भी अहम भूमिका का निर्वाह करने का आव्हान किया गया और प्रत्येक गांव को शिक्षित सुन्दर एवं पूर्णत निरामय बनाने का प्रयास कर एवं आदर्श गांव की तर्ज को प्रत्येक गांव में कार्य करने के लिए कहा गया। इस अवसर पर एजुकेट गर्ल्स की संथापिका एवं कार्यकारी निर्देशिका सफीना हुसैन ने एजुकेट गर्ल्स अभियान के बारे मे विस्तार से जानकारी देते हुए बताया की 2007 में संस्था ने 50 स्कूलों से अपनी गैतिविधि प्रारम्भ की थी जो आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी जिला के करीबन 7500 स्कूलो तक संस्था पहुच चुकी है तथा गांव-गांव में बालिका शिक्षा को बढावा देकर करीबन 70 हजार से अधिक लड़कियों को जिन्होंने किसी कारण वश स्कूल छोड दिया था उन्हे पुन: स्कूलों में दाखिला करवाकर शिक्षा से जोडा गया है। वहीं उन्होनें बालिका शिक्षा मे कमी का मुख्य कारण बताया की लिंग भेद एक ऐसा कारण है जिसकी वजह से सम्पूर्ण भारत मे करीबन तीस लाख लड़कियां शिक्षा से वंचित हो रही है ऐसे में उन्होंने मुहिम चलाकर शिक्षा के प्रति बालिकाओ को प्रोत्साहित करने का आव्हान किया गया। कार्यक्रम को सम्बोन्धित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी नूतन बाला कपिला ने शिक्षा के क्षेत्र मे एजुकेट गर्ल्स संस्था द्वारा किये गये कार्यो की पूरी-पूरी प्रशंसा की गई तथा 2007 से संस्था द्वारा कार्य करते हुए बालिकाओ को शिक्षा से जोडने को जो कार्य किया उसे अहम बताया गया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी सुरेश कुमार,तहसीलदार विरेन्द्रसिह भाटी,पालिका अध्यक्ष इंदू चौधरी,महिला एवं बाल विकास अधिकारी चक्रवृत्तिसिह सहित पाली,जालोर,सिरोही से संस्था की करीबन 1700 टीम बालिकाएं सहित भामाशाह एवं अधिकारी व संस्था के पदाधिकारी सहित कार्मिक मौजूद थे।

बाली। एजुकेट गर्ल्स के वर्षगांठ कार्यक्रम में मौजूद टीमबालिकाए

1700 टीम बालिकाओं का हुआ सम्मान

बाली मे आयोजित एजुकेट गर्ल्स संस्था द्वारा आयोजित स्थापना दिवस पर पाली,जालोर सहित सिरोही जिलो कि विभिन्न गांवो मे कार्य करने वाली करीबन १७०० टीम बालिकाओं को मुख्य अतिथियों के हाथो सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम में मौजूद अधिकारीयों सहित भामाशाह एवं पदाधिकारीयों को भी सम्बोन्धित किया गया।

सांस्कृति कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा को बढावो देने का दिया संदेश-

एजुकेट गर्ल्स के सातवें स्थापना दिवस के उपलक्ष मे बाली में पाली,जालोर एवं सिरोही जिले से आये विभिन्न टीम बालिकाओं ने एक से बढ कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों दी गई तथा गांव एवं समाज सहित घर मे बालिकाओं को शिक्षा से जोडने का आव्हान किया गया।

समारोह स्थल पर प्रदर्शनी का आयोजन-

कार्यक्रम स्थल पर एजुकेट गर्ल्स संस्था के पदाधिकारीयों सहित टीम बालिकाओं द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई थी जिसमें बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने सम्बन्धित विभिन्न पोस्टर एवं कार्ड लगाये गये थे।

शिक्षित गांव को किया जायेगा राष्ट्रीय उत्सव पर सम्मानित एजुकेट गर्ल्स संस्था की और से आयोजित समारोह मे जिला कलेक्टर ने आव्हान किया की जो गांव पूर्णत शिक्षित होगा जिसमे कोई भी बालिका शिक्षा सें वंचित नही रहेगी ऐसे गांव का चयन कर उसे राष्ट्रीय उत्सव गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जायेगा।

VEER ARJUN
05 December 2014
BALI

बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी: गुप्ता

➲ 'एजुकेट गर्ल्स' ने 1700 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

पाली, 04 दिसम्बर।
(आर.बी. न्यूज ब्यूरो)

एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने बीते बुधवार को जिले के बाली क्षेत्र में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का शिक्षित करना जरूरी है। बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए उन्होंने एजुकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड

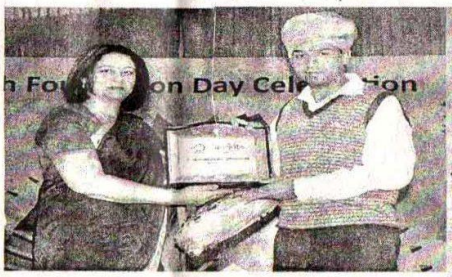

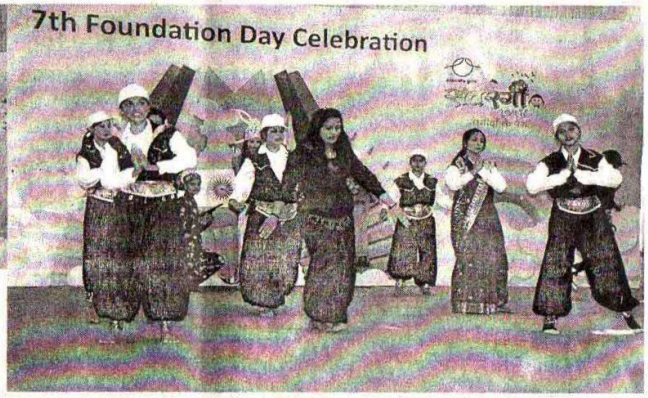

सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी। आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूदी, राजसमंद शामिल है।

इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है। एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के प्राथमिक सुविधाओं से वंचित ए लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशिक, एजुकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, '' हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुई। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।''

RAJASTHAN BREAKING NEWS
04 December 2014
BALI

बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी: गुप्ता

➲ 'एजुकेट गर्ल्स' ने 1700 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

पाली, 04 दिसम्बर।
(आर.बी. न्यूज ब्यूरो)

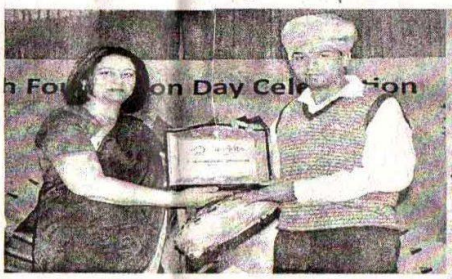

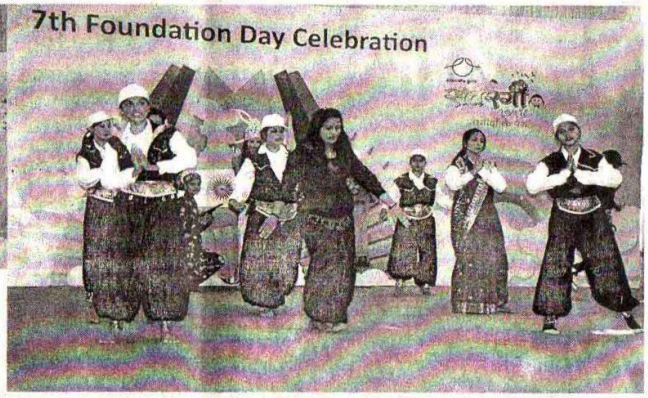

एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने बीते बुधवार को जिले के बाली क्षेत्र में अपने 7वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का शिक्षित करना जरूरी है। बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए उन्होंने एजुकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की।

एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी। आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूदी, राजसमंद शामिल है।

इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है। एजुकेट गर्ल्स का उद्देश्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है ताकि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ सकें जहां सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के लिए समान अवसर उपलब्ध हों। हमने वर्ष 2018 तक भारत के प्राथमिक सुविधाओं से वंचित ए लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशिक, एजुकेट गर्ल्स ने कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुये कहा, '' हमने 2007 में सिर्फ 50 स्कूलों के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था, और आज पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद और बूंदी जिलों में हम 7,500 स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गत सात वर्षों से टीम बालिका के युवा एवं प्रेरित सदस्यों ने हमारे फील्ड स्टाफ के साथ मिलकर अथक रूप से अपने समुदायों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के ही कारण 70,000 से अधिक लड़कियां जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, वापस स्कूल जाने में समर्थ हुई। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर हम सभी को गर्व करना चाहिये। मुझे टीम में पूरा भरोसा है और विश्वास है कि यह सभी आने वाले सालों में भारत के अधिक से अधिक लिंग-असमानता वाले जिलों में हमारी पहल को लेकर जायेंगे।''

SAMACHARON KA AAINA
04 December 2014
BALI

एजुकेट गर्ल्स ने वर्षगांठ मनाई

जोधपुर। एजुकेट गर्ल्स ने आज संभाग के बाली में अपने 7वें स्थापना दिवस को वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के गंगौरिया मैदान में आयोजित किया गया। जिला कलक्टर माननीय श्री रोहित गुप्ता इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बालिकाओं का शिक्षित करना जरूरी है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने एजूकेट गर्ल्स का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में 1850 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित अधिकारीगण, एजुकेट गेर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्यए भामाशाह तथा टीम बालिका के 1700 से अधिक सदस्य. शामिल थे।

प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्शों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स ने अपने काम की शुरूवात पाली जिले से की थी। आज सात साल बाद राजस्थान के 6 जिलों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत है जिनमें पाली के अलावा जालोर सिरोहि, अजमेर, बूंदी, राजसमंद आदि है । इन सात सालों में एजुकेट गर्ल्स के 4500 टीम बालिकाओं (स्वयं सेवी) ने सर्व शिक्षा अभियान के सदस्यों के सहयोग से 70,000 से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोडा है । एजुकेट गर्ल्स का उद्देष्य सभी लड़कियों के लिए व्यावहारिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव हासिल करना है।

SAMACHARON KA AAINA
04 December 2014
BALI

संक्षिप्त समाचार

'एजुकेट गर्ल्स' ने 10870 लड़कियों को फिर से स्कूल भेजा

राजसमन्द-राजस्थान। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज राजसमन्द में अपने 7 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्रीमति श्वेता धनकड.(पुलिस अधीक्षक) एवं युगल बिहारी दाधीच (जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान) विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिर्सोस पर्सन, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त , 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी). में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।

SPAST AWAZ
03 December 2014
BALI

एजुकेट गर्ल्स ने 10870 लड़कियों को फिर से स्कूल भेजा

राजस्थान (एजेंसी)। एजुकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए लिंग-असमानता वाले जिलों में सरकार के साथ-साथ स्कूलों और लोक प्रशासक निकायों के साथ साझेदारी में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ने आज राजसमन्द में अपने 7 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शहर के द्वारकेश वाटिका, कांकरोली में आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर कैलाश चन्द वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्रीमति श्वेता धनकड.(पुलिस अधीक्षक) एवं युगल बिहारी दाधीच (जिला कार्यक्रम समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान) विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में 1000 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें सम्मानित ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, रिसोंस पर्सन, अधिकारीगण, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी और बोर्ड सदस्य तथा टीम बालिका के 900 से अधिक सदस्य शामिल थे। टीम बालिका के सदस्यों ने बेहद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा दिल को छू लेने वाले अपने व्यक्तिगत संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियां भी साझा की। एजुकेट गर्ल्स द्वारा राजसमन्द में कार्य शुरू किये जाने के 6 महीनों के भीतर टीम बालिका के इन सदस्यों ने (सामुदायिक स्वयंसेवक) ने अथक रूप से कार्य किया और स्कूल छोड़ चुकी 10870 लड़कियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने में सफलता हासिल की। इसके अतिरिक्त, 70 लड़कियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में नामांकन कराया गया। यह कार्यक्रम लड़कियों की शिक्षा की इन चैम्पियनों के कार्य को सम्मानित करने एवं इसका उत्सव मनाने का एक मंच था।